समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

संघर्ष से सफलता तक : फ्लैश मी फोटोग्राफी के संस्थापक पंकज कारभारी बालहल की प्रेरणादायक कहानी

Sanket Morankar

Published on 02 Jan 2026

आज के दौर में जब सफलता को संसाधनों और मजबूत नेटवर्क से जोड़ा जाता है, ऐसे समय में **पंकज कारभारी बालहल** की कहानी संघर्ष, आत्मविश्वास और अथक मेहनत की एक जीवंत मिसाल बनकर सामने आती है। आज वे **Flash Me Photography** के संस्थापक और एक सफल फोटोग्राफी उद्यमी के रूप में पहचाने जाते हैं, लेकिन इस पहचान के पीछे वर्षों की कठिन तपस्या और बलिदान छिपा है।

पंकज बालहल एक अत्यंत साधारण परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जहां आर्थिक स्थिरता हमेशा एक चुनौती रही। जीवन का सबसे बड़ा झटका उन्हें **कक्षा 9वीं** में लगा, जब उनके पिता का अचानक निधन हो गया। इस दुखद घटना ने न केवल भावनात्मक रूप से तोड़ा, बल्कि परिवार को गंभीर आर्थिक संकट में भी डाल दिया।

परिवार की जिम्मेदारी संभालने के लिए पंकज को पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। **कक्षा 10वीं के दौरान ही उन्होंने नौकरी शुरू कर दी**, जिससे कम उम्र में ही उन्होंने जिम्मेदारी, अनुशासन और जीवन की वास्तविकताओं को समझ लिया।

संघर्षों के बावजूद पंकज के मन में हमेशा अपना कुछ करने का सपना था। एक करीबी मित्र के साथ मिलकर उन्होंने अपना **पहला छोटा व्यवसाय** शुरू किया। शुरुआती समय बेहद कठिन था—अनिश्चितता, आर्थिक दबाव और असफलताओं से भरा हुआ।

लेकिन निरंतर प्रयास और सीखने की ललक ने धीरे-धीरे रास्ता दिखाना शुरू किया। अनुभव बढ़ने के साथ ही पंकज को यह एहसास हुआ कि उन्हें अपनी एक **स्वतंत्र पहचान** बनानी होगी, जहां उनका जुनून ही उनका पेशा बने।

पंकज के जीवन का सबसे अहम मोड़ उनकी शादी के बाद आया। उनकी पत्नी न केवल जीवनसाथी बनीं, बल्कि सबसे मजबूत सहारा भी। उन्होंने पंकज को जोखिम उठाने के लिए प्रेरित किया और कठिन समय में उनका आत्मविश्वास बनाए रखा।

इसी विश्वास के बल पर पंकज ने **अपना पहला कैमरा खरीदा**—एक ऐसा निर्णय जिसने उनका भविष्य बदल दिया। बिना किसी

बाहरी मदद, बिना पूंजी या पहचान के, उन्होंने सिर्फ अपने जुनून, मेहनत और जीवनसाथी के समर्थन के साथ फोटोग्राफी की दुनिया में कदम रखा।

पहले कैमरे के साथ ही **Flash Me Photography** की नींव पड़ी। पंकज ने दिन-रात मेहनत की, अपने कौशल को निखारा, ग्राहकों की जरूरतों को समझा और हर प्रोजेक्ट में गुणवत्ता को प्राथमिकता दी।

धीरे-धीरे उनका काम पहचान बनाने लगा। संतुष्ट ग्राहक, दोबारा मिलने वाले प्रोजेक्ट और सकारात्मक प्रतिक्रिया ने Flash Me Photography को एक **विश्वसनीय प्रोफेशनल ब्रांड** में बदल दिया।

आज पंकज कारभारी बालहल केवल एक फोटोग्राफर नहीं, बल्कि एक ऐसे **उद्यमी** हैं जिन्होंने शून्य से अपनी पहचान बनाई। एक समय जब उन्हें कोई नहीं जानता था, आज वे मंचों पर अपने संघर्ष की कहानी साझा कर रहे हैं—जो उनके लिए गर्व और आत्मसंतोष का विषय है।

उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि हालात चाहे जैसे भी हों, **दृढ़ निश्चय इंसान को मंज़िल तक पहुंचा सकता है।**

पंकज का मानना है कि सफलता कभी संयोग से नहीं मिलती। इसके लिए **त्याग, अनुशासन और निरंतर मेहनत** आवश्यक होती है। वे संघर्ष कर रहे युवाओं को संदेश देते हैं कि हालात कितने भी कठिन क्यों न हों, काम करना बंद न करें और खुद पर विश्वास बनाए रखें।

उनके अनुसार, सही समय आने पर मेहनत खुद रास्ता बना लेती है और जीवन बड़े मंचों तक पहुंचने का अवसर देता है।

पंकज अपनी सफलता का श्रेय उन सभी शुभचिंतकों को देते हैं, जिन्होंने उनके संघर्ष के दिनों में उनका साथ दिया। वे उन सभी प्लेटफॉर्म्स और लोगों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने उन्हें अपनी कहानी साझा करने का अवसर दिया।

आज **Flash Me Photography** निरंतर आगे बढ़ रही है और पंकज उसी ईमानदारी, जुनून और समर्पण के साथ आगे बढ़ रहे हैं, जिसने उनके संघर्ष को सफलता में बदला।

पंकज कारभारी बालहल के संघर्ष, समर्पण और रचनात्मक योगदान को सम्मान देते हुए उनका चयन "**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**" पुरस्कारों के लिए किया गया है। यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह की शोभा बढ़ाएंगी—

- **सुश्री वर्षा उसगांवकर** (बॉलीवुड अभिनेत्री)
- **सुश्री सोनाली कुलकर्णी** (भारतीय अभिनेत्री)
- **सुश्री प्रार्थना बेहेरे** (भारतीय अभिनेत्री)

कार्यक्रम का आयोजन **Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.)** के Founder & CEO **श्री सुधीर कुमार पाठड़े** के नेतृत्व में किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और क्रिएटिव टैलेंट को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर रहे हैं।

पंकज कारभारी बालहल की कहानी यह सिखाती है कि **संघर्ष कोई बाधा नहीं, बल्कि सफलता की पहली सीढ़ी होता है**। उनकी यात्रा उन हजारों युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.